दोनों ही क्षेत्र इमारतों की उपयोगिता, कलात्मकता, सौंदर्य और डिजाइन से जुड़े होते हैं, पर दोनों ही क्षेत्रों की उपयोगिता अलग-अलग है...

आर्किटेक्चर और इंटीरियर डिजाइनिंग में पाएं मनचाहा मुकाम

पिछले कुछ दशकों से भारत में शहरीकरण और टेक्नोलॉजी तीव्र गति से बढ़े हैं। जहां पहले सिर्फ महानगरों में ही आर्कीटेक्ट्स और इंटीरियर डिजाइनर्स की उपयोगिता होती थी वहीं अब हर छोटे बड़े शहर में रहने वाले लोग इनके महत्त्व को समझ रहे हैं।

आर्किटेक्चर और इंटीरियर डिजाइन को कई मायनो में एकसाथ समझा जाता है ,जो की सही भी है। हालांकि दोनों ही क्षेत्र इमारतों की उपयोगिता, कलात्मकता, सौंदर्य और डिजाइन से जुड़े होते हैं, पर दोनों ही क्षेत्र की अलग अलग उपयोगिता है। जहां आर्किटेक्चर का दायरा बिल्डिंग या परिसर की डिजाइन और उसकी संरचना को उपयोगी अथवा कलात्मक बनाना होता है। वहीं इंटीरियर डिजाइनर का कार्य बिल्डिंग की आंतरिक उपयोगिता एवं सुंदरता को निखारना होता है। इसी लिए कई आर्चिटेक्टस आर्किटेक्चर के साथ साथ इंटीरियर्स भी डिजाइन करते हैं। यह सच है की एक इंटीरियर डिजाइनर आर्किटेक्ट का कार्य नहीं कर सकता। इसे बेहतर समझने के लिए जानना होगा की दोनों की शिक्षा और डिग्री में क्या फर्क होता है।

इंटीरियर डिजाइनर बनने के लिए को क्रिएटिव होना ही पर्याप्त है। अतः किसी भी संकऐ से सीनियर सेकंडरी पास व्यक्ति इंटीरियर डिजाइन कोर्सेज (B.Sc. Interior, Interior Diploma) कर इंटीरियर डिजाइनर बन सकता है। एक आर्किटेक्ट बनने के लिए सीनियर सेकंडरी विज्ञान संकऐ से होना ज़रूरी होता है अथवा JEE/ NATA की परीक्षा देनी होती है। आर्किटेक्चर का पाठ्यक्रम 5 वर्ष का होता है। तत्पश्चात B.Arch. की डिग्री प्राप्त कर आर्किटेक्ट बनता है। जानने के लिए इन वेबसाइट्स पर सर्च कर सकते हैं - https://www.coa.gov.in/ http://www.in-de-as.org/ https://www.entrancezone.com/engineering/get-admission-archi

इंटीरियर डिजाइनर- यह अधिकांश डिजाइनरों के लिए सबसे स्पष्ट मार्ग है।

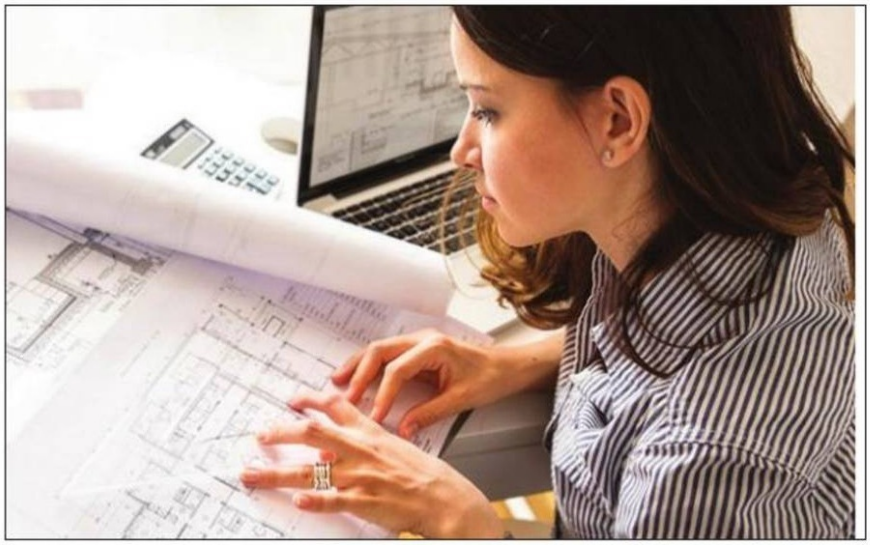

सुश्री रुचि मिश्रा
डिप्टी जनरल मैनेजर आर्किटेक्ट, आरईपीएल
(रुद्राभिषेक इंटरप्राइजेज लि.)

फर्नीचर डिजाइनर- फर्नीचर डिजाइन इंटीरियर डिजाइन का एक अधिक विशिष्ट हिस्सा है।

एग्जीविशन डिजाइनर

लाइटनिंग डिजाइनर्स

किचन डिजाइनर्स

वेतन : एक वास्तुकार के लिए वेतन शुरू करना भारतीय रुपये की सीमा में 20,000 से 30,000 तक हो सकता है। 2 साल बाद वृद्धि दर्ज की जाती है। 5 वर्ष से अधिक के कार्य अनुभव वाले उम्मीदवारों को 50,000 से 60,000 रुपये की सीमा में वेतन मिल सकता है। प्रारंभिक वेतन औसत भारतीय वेतन से भी अधिक हो सकता है यदि उम्मीदवार प्रीमियर आर्किटेक्चर कॉलेज से है। भारत में, नियोक्ता संगठन के प्रकार और आकार और व्यक्ति के अनुभव के स्तर के आधार पर, नए / जूनियर इंटीरियर डिजाइनरों के लिए वेतन 360,000 से 480,000 रुपये प्रति वर्ष के बीच होता है। वरिष्ठ आंतरिक डिजाइनरों के लिए, वेतन सीमा अधिकतम और कभी-कभी 900,000 से 3,000,000 रुपये प्रति वर्ष से अधिक हो सकती है।

करियर पथ और विकास संभावनाएं

आम तौर पर अपने करियर की शुरुआत में, वास्तुकार और इंटीरियर डिजाइनर अपने मौजूदा कौशल को सम्मानित करने और अपने ज्ञान को बढ़ने के अलावा, व्यावहारिक अनुभव सीखने और प्राप्त करने में पहले पांच वर्षों तक काम करते हैं। आगे आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिजाइनर स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं/ अथवा किसी कंस्ट्रक्शन, सरकारी, रियल एस्टेट अथवा मल्टीनेशनल आर्किटेक्चर कंसल्टेंसी कंपनी में समय के साथ पदोन्नति प्राप्त कर उच्च पदों पर कार्य कर सकते हैं। आने वाले समय में सरकार बहुत बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स ला रही है, जहां इनकी नयी संभावनाएं आएंगी/एन्वायरनमेंट फ्रेंडली आर्किटेक्चर और नयी टेक्नोलॉजी के जानकार आर्किटेक्ट्स और इंटीरियर प्रोफेशनल्स की डिमांड बढ़ेगी। अच्छे कॉलेजेस और इंस्टीट्यूट्स से पास आर्किटेक्ट्स और इंटीरियर डिजाइनर्स के लिए शानदार विकल्प होंगे।